सुखना वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने हरियाणा की ओर सुखना वन्यजीव अभयारण्य के आस-पास 1,000 मीटर के क्षेत्र को **इको-सेंसटिव जोन (ESZ**) के रूप में चित्रित करने के हरियाणा सरकार के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। एक मसौदा अधिसूचना, जिसमें हरियाणा की ओर सुखना वन्यजीव अभयारण्य के आसपास 1 किमी. से 2.035 किमी. तक के क्षेत्र को ESZ के रूप में सीमांकित किया गया है।

- **मुख्य बिंदु:**
- 25.98 वर्ग किमी. (लगभग 6420 एकड़) में फैला सुखना वन्यजीव अभयारण्य, केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासनिक नियंत्रण में है और इसकी सीमाएँ हरियाणा एवं पंजाब से लगती हैं।
- अभयारण्य **शिवालिक तलहटी** में स्थित है, जिसे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील और भूवैज्ञानिक रूप से अस्थिर माना जाता है।
- यह वन्यजीव अधिनियम, 1972 की कम-से-कम सात अनुसूची 1 पशु प्रजातियों का आवास स्थल है, जिनमें**तेंदुआ, भारतीय पैंगोलिन, सांभर, गोल्डन जैकल, किंग कोबरा, अजगर और मॉनिटर लिज़ार्ड** शामिल हैं।
  - **अनुसूची 1** की प्रजातियों को लुप्तप्राय माना जाता है और उन्हें तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता है।
- इसके अलावा, अभयारण्य में **अनुसूची 2** की पशु प्रजातियाँ जैसे सरीसृप, तितलियाँ, पेड़, झाड़ियाँ, पर्वतारोही, जड़ी-बूटियाँ और 250 पक्षी प्रजातियाँ हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sukhna-wildlife-sanctuary